

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
कला संकाय, आजीवन शिक्षा विभाग

बी.ए./बी.ए. ऑनर्स (04 वर्षीय कोर्स)
विषय— पर्यावरण अध्ययन

भाग अ : परिचय			
कार्यक्रम : बैचलर ऑफ पर्सोनिंग आर्ट्स (बी.ए./बीपीए/बी.एफ. ए./बी.वोक) प्रमाणपत्र/डिग्री/ऑनर्स		द्वितीय सेमेस्टर	सत्र : 2025 – 2026
1.	पाठ्यक्रम कोड	ALLAEC-01	
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्यावरण अध्ययन	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	AEC	
4.	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	कार्यक्रम के अनुसार	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन उद्देश्य	पर्यावरण अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है कि अध्येता पर्यावरण का आशय जानने के साथ उसके महत्व को समझे। पर्यावरण क्या है ? जीवन में उसकी आवश्यकता क्यों होती है ? उसका स्वरूप कैसा है ? पर्यावरण संरक्षण क्यों आवश्यक है ? पर्यावरण प्रदूषण क्या है ? उसके रूपों को जानना और उससे बचाव के उपाय क्या-क्या हैं ? जैसे पक्षों से परिचित होना है।	
6.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (सीएलओ)	पर्यावरण के अध्ययन से विद्यार्थी अपने आस-पास के जलवायु आदि की शुद्धता के लिए सजग होता है। इसके कारण मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का महत्व स्पष्ट होता है। विद्यार्थी अपने पर्यावरण की शुद्धता और संरक्षण का समुचित ध्यान रखता है।	
7.	क्रेडिटमान	02 क्रेडिट	1 क्रेडिट=15 घंटे
8.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 100 (एसईई: 70, सीसीई : 30)	न्यूनतम अंक : 40 (एसईई : 28, सीसीई: 12)
भाग ब : पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु			
व्याख्यान-शिक्षण अवधियों की कुल संख्या = 30 अवधियाँ (30 घंटे)			
इकाई	इकाई का नाम	विषय (पाठ्यक्रम सामग्री)	अवधियों की संख्या/ घण्टे
प्रथम	पर्यावरण अध्ययन का बहुविषयी या बहुआयामी स्वभाव, प्राकृतिक संसाधन तथा इससे सम्बन्धित समस्याएं	<ol style="list-style-type: none"> परिभाषा, कार्य क्षेत्र एवं महत्व Definition, Scope and importance जन जागरण/चेतना की आवश्यकता Need for public awareness प्राकृतिक संसाधन Natural resources नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत संसाधन Renewable and non renewable resources प्राकृतिक संसाधन एवं उससे सम्बन्धित समस्याएं Natural resources and associated problems 	30 घंटे

		<p>5. वन संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, वनोन्मूलन, केस स्टडी (प्रकरण अध्ययन), काष्ठ कटाई, खनन, बांध एवं वनों तथा जनजातियों पर इनका प्रभाव । Forest resources : Use and over-exploitation, deforestation, case studies, Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.</p> <p>6. जल संसाधन – सतही एवं भूमिगत जल का उपयोग एवं अति उपयोग, बाढ़, सूखा, जल के लिये संघर्ष, बांध-लाभ एवं समस्यायें । Water resources : Use and over-utilization of surface and ground water, floods, Drought, conflicts over water, dams-benefits and problems.</p> <p>7. खनिज संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, खनिज संसाधनों के खनन एवं उपयोग का पर्यावरण पर प्रभाव, प्रकरण अध्ययन । Mineral resources : Use and exploitation, environmental effects of extracting and using mineral resources, case studies.</p> <p>8- खाद्य संसाधन – विश्व की खाद्य समस्या, कृषि एवं अतिचारण के कारण होने वाले परिवर्तन, आधुनिक कृषि के प्रभाव, उर्वरक- कीटनाशी की समस्या, जलभरण, लवणता, प्रकरण अध्ययन । Food resources : World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.</p> <p>9. ऊर्जा संसाधन – ऊर्जा की बढ़ती हुई आवश्यकता, नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग, प्रकरण अध्ययन । Energy resources : Growing energy needs, renewable and non renewable energy resources, use of alternate energy sources, case studies.</p> <p>10. भूमि संसाधन – भूमि एक संसाधन के रूप में, भूमि अपक्षय, मानव प्रेरित भूस्खलन, मृदा</p>	
--	--	--	--

		<p>अपरदन एवं मरुस्थलीकरण । Land resources : Land as a resource, land degradation, man induced landslide, soil erosion and desertification.</p> <p>11. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका । Role of an individual in conservation of natural resources.</p> <p>12. सुविधापूर्ण जीवन पद्धतियों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका । Equitable use of resources for sustainable lifestyles.</p>	
द्वितीय	पारिस्थितिक तंत्र	<p>1. पारिस्थितिक तंत्र की परिकल्पना Concept of an ecosystem</p> <p>2. पारिस्थितिक तंत्र की संरचना एवं कार्य Structure and function of an ecosystem.</p> <p>3. उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटनकर्ता Producers, consumers and decomposers</p> <p>4. पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह Energy flow in the ecosystem</p> <p>5. पारिस्थितिक अनुक्रमण Ecological Succession</p> <p>6. खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल एवं पारिस्थितिक पिरामिड Food chains, food web and ecological pyramids.</p> <p>7. पारिस्थितिक तंत्र की प्रस्तावना, प्रकार, लक्षण एवं कार्य – Introduction, types, characteristic features, structure and function of the following ecosystem : (a) वन का पारिस्थितिक तंत्र Forest ecosystem (b) घास के मैदान का पारिस्थितिक तंत्र Grassland ecosystem (c) मरुस्थल का पारिस्थितिक तंत्र Desert ecosystem (d) जलीय पारिस्थितिक तंत्र (तालाब, जलधारा, झील, महासागर एवं दलदली</p>	

		भूमि का पारिस्थितिक तंत्र) Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)	
तृतीय	जैव विविधता, उसके हॉटस्पॉट, जैव विविधता के कारण एवं उसका संरक्षण	<ol style="list-style-type: none"> 1. सामान्य परिचय – परिभाषा, अनुवांशिक प्रजाति एवं पारिस्थितिक तंत्रीय विविधता । Introduction- Definition : genetic, species and ecosystem diversity 2. भारत वर्ष का जैव भौगोलिक वर्गीकरण Biogeographical classification of India 3. जैव विविधता का महत्व-क्षयशील उपयोग, उत्पादन उपयोग, सामाजिक, एथिकल, एस्थेटिक एवं ऐच्छिक महत्व । Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values. 4. विश्व, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर जैव विविधता Biodiversity at global, National and Local levels. 5. भारत वर्ष एक वृहत् विविधता वाले राष्ट्र के रूप में India as a mega-diversity nation. 6- जैव विविधता के हॉट स्पॉट Hot-spots of biodiversity. 7- खतरनाक स्थिति : जैव विविधता के लिए – आवास का नष्ट होना, वन्य जीवनों का शिकार, मानव एवं वन्य जन्तु संघर्ष । Threats to biodiversity : habitat loss, poaching of wildlife, man and wildlife conflicts. 8. भारतवर्ष की संकटग्रस्त एवं विशेष क्षेत्रीय जातियां Endangeres and endemic species of India 9. जैव विविधता का संरक्षण – इन-सिटू एवं एक्स-सिटू संरक्षण Conservation of biodiversity : In-situ and ex-situ conservation of biodiversity. 	